

2548 I

श्री हनुमन् विष्णु नमोः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

346
Blavanī
Sutra



ॐ नमः ॥ वागीश्वर्या ॥ वायुय (गोनाद्व) नानकाय कथयन् (गोः
नाद्व) नानकाय । धर्मिलुकाय वडाधनाय नमः ॥ निवायचन
मः ॥ निवाय ॥ १ ॥ विलालुनीलात्यललाचनाय विकाननकाय
ललाचानाय । समद्वधाय विसमद्वधाय नमः ॥ निवायचन नमः
निवाय ॥ २ ॥ श्रीशधनश्यामलकननाय नठिलुलालवडा
धनाय । दिश्यामनाय च दिगमनाय नमः ॥ निवायचन नमः ॥

निवाय ॥ ३ ॥ ललकलकीकलनूपनाय सुवरुधामकलनूपना
या ॥ मांगदाय वडागंगदाय नमः ॥ निवायचन नमः ॥ निवा
य ॥ ४ ॥ कथयि काकूक मचचिनाय विगानडा । पूडा विच
चिय । उगडिनय उगदकयिच नमः ॥ निवायचन नमः ॥ नि
वाय ॥ ५ ॥ मदानमालाकिन (गंख) नाय कयालमालाकि
न (गंख) नाय । सुवृधुलाय सुवृधुलाय नमः ॥ निवा

येन नमः निवाय ॥ ६ ॥ सदा गिवानां प्रियत्वं वदार्थं सदा
गवानां प्रियत्वं वदार्थं । निवाचिना येन निवाचिनाय
नमः निवायेन नमः निवाय ॥ ७ ॥ थथथथथथथथथथ ॥
यपंचसृष्टः सखदास्यदायुः लोका संरुचकता छ वाय
कृत्स्नं नाराय विवृत्तं स्मय नमः निवायेन नमः निवाय
॥ ८ ॥ रुवातीर्णं कृत्स्नं दं सार्धं यत्पितृभ्यः ॥ सयाति

यत्र मंस्तुतं दुष्का रोगात्तय धर्मात्त ॥ ९ ॥ सर्वगु (थ) व
यस्य धर्मः सर्वयः पूयत्वं लसि वगामे वयस्यार्थं न (को
टिगु विर्तलुत्त ॥ १० ॥ ~~वेति धीमं कृत्स्नं विवृत्तं चारु~~
~~वानीर्णं कृत्स्नं दं सार्धं समायम ॥ ११ ॥~~ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥
॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

ASMA ARCHIVES

2.548
I

1812-1813

ASMA ARCHIVES

I 87252

187252

ॐ नमो भगवते नारायणाय ॥ ॥ हिरिकि ॥ ॥ सना जने प्र कम
ला कल प्र वि गे गाय प्र जल हा र ग म प्र । मह च नि प्र
यद वं ग मि प्र र ऊ य वि प्र व सु द व प्र ॥ ॥ प्र व सु
म ॥ ना ग न म के वि ॥ गु र वि नू जा न ल हि ब्र ह वा न ॥ ॥ क
ऊ न का हा र ग के सि आ या क हा ग था य वि ना म् ॥ जा ग य

[illegible]

यत्तु ४ यादयनाय लम्हम् ॥ मह रुथा निजित काम देवा वि
 ॥ मि वि क्राम निदन्त नाज ॥ इहा वने सादन्त नाज नामासु
 श्रीधन रुद्र ॥ ॥ अहासु श्रीधन वहातरु लिज रुद्र कनहि
 ॥ ॥ यद्गम् ॥ नाग नाम कनि ॥ जग कि यामु निगु निमि
 ॥ य कि रु जानमू निवेदम रुद्र विष्ट ॥ अडान साजत का वन्द

दृगमधूनवित्र॥ ॥ अहायनमधूनयननामसाकाउर
 काकावाहित्र॥ ॥ वहागरहलीवेथाहि॥ ॥ काकासुन
 यरुधंस॥ पाहि॥ जमविन्द॥ ॥ करवित्र॥ ॥ अहामृषीध्वन
 शकवित्र॥ ॥ अहामृषीध्वनयावीकीकीहनिर्वाहकन
 लको॥ अहाकनाथकनयाप्रजुजीकादिकमूवनदीकीता

माहिदखाहयै॥ नकायिद्वानवतीकायथा॥ ॥ वहाग
 रलि॥ ॥ थहाडाजवकालवन॥ अहामृषीध्वनकेहावद
 गहा॥ ॥ अहामृषीध्वनकेहागरलिजाहि॥ ॥ अ
 हामुनिजकेहागरहलीनमस्कना॥ ॥ वहागरहलीवेनि
 ॥ दहावनवन॥ ॥ अहाभावेकवलि॥ ॥ वेगदवलि
 ल॥ ॥ जवकानरा॥ ॥ उथी॥ ॥ रवकान॥ ॥ अहायनजीवन

एवञ्जी न सरल की मनोवां कि नहि कि न मु ॥ ॥ जय मुजी
 वहा नर लि व ध हि ॥ ॥ वान ॥ ॥ अहो य मुजी मु निज
 म का वि न द न गी न हा डी ॥ ग व ग द मि का लि ॥ ॥ ॥ ॥
 व को न ॥ ॥ न थ व वि स नारु र्थ की या न न्य ला ॥ ॥ ॥ ॥
 द म का न सी सा न ग लि य हा थ ॥ म द वा द की आ रा मा ना नू क
 कि नी ना र्थ सा थ ॥ ॥ उ व को न रा मा उ थ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ अहो यमुजी वंगद वलि ॥ ॥ इधूस ॥ ॥ अहो मुनि
ऊना नमस्क्रिना ॥ ॥ अहो यमुजी न सरन की अवन अम
ज विनीना उमान कलि ॥ ॥ अहो यमुजी वहा गश नि ॥
यस कल हि ॥ ग ॥ नाग ॥ म ॥ कि कु जान ॥ ॥ धन का
का सुलन ॥ वध ॥ ॥ अहो यमुजी धन्य शन हाने कृपा न हास रने
कयसि धरया ह ॥ ॥ गहान उगम हि मा का हानय कहन
॥ ग ॥ निहाल मना वा कि न सिद्धि नकु ॥ ॥ अहो यमुजी नम